समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 26 September 2026

पीटी धीरेंद्रं कृष्ण शास्त्री ने काशी विश्वनाथ मंदिर का दौरा किया, नेपाल हिंसा पर दिया बयान

Sanket Morankar

Published on 13 Sep 2025

प्रसिद्ध धर्मगुरु **पीटी धीरेंद्रं कृष्ण शास्त्री** ने काशी विश्वनाथ मंदिर का दौरा किया और मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने नेपाल में हाल ही में हुई हिंसा पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

? काशी विश्वनाथ मंदिर यात्रा

- शास्त्री जी ने मंदिर के गर्भगृह में दीप प्रज्वलित कर भगवान शिव की आराधना की।
- मंदिर प्रशासन ने उन्हें विशेष सम्मान दिया और मंदिर परिसर में उन्हें धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने का अवसर दिया।
- यह यात्रा धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है और श्रद्धालुओं ने उन्हें आशीर्वाद देने के लिए भारी संख्या में उपस्थित हुए।

? नेपाल हिंसा पर बयान

- शास्त्री जी ने नेपाल में हुई हिंसा पर चिंता व्यक्त की और कहा कि **शांति और भाईचारे की भावना बनाए रखना जरूरी है।**
- उन्होंने सभी पक्षों से अपील की कि हिंसा और उपद्रव से बचें और लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीकों से समस्याओं का समाधान करें।
- शास्त्री ने कहा कि **धर्म और संस्कृति का असली संदेश शांति और सहिष्णुता का होता है**, और इसे हर स्थिति में बनाए रखना चाहिए।

🔹 धार्मिक और सामाजिक संदेश

- पीटी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने भाषण में कहा कि मंदिरों और धार्मिक स्थलों का **मूल उद्देश्य मानवता और नैतिक मूल्यों का प्रचार करना है।**
- उन्होंने युवा पीढ़ी से आग्रह किया कि वे धर्म और संस्कृति का सही अर्थ समझें और समाज में **सकारात्मक योगदान** दें।

🔹 जनता की प्रतिक्रिया

- काशी विश्वनाथ मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने शास्त्री जी के विचारों का समर्थन किया।
- कई लोगों ने कहा कि धार्मिक नेताओं का समाज में शांति और नैतिकता का संदेश देना महत्वपूर्ण है।
- सोशल मीडिया पर उनके बयान को काफी सराहा जा रहा है।

पीटी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की काशी विश्वनाथ यात्रा न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही, बल्कि नेपाल में हुई हिंसा पर उनके **शांति और समझदारी भरे संदेश** ने भी लोगों के बीच सकारात्मक प्रभाव डाला। उनके बयान ने यह स्पष्ट किया कि **धर्म का असली संदेश हमेशा शांति और सहिष्णुता का होता है।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.